take care of the country. But I can assure my friend that if there is any possibility of having the distress sale, they can bring to my notice. Immediately we shall make certain arrangements.

SHRI VAYALAR RAVI: It is not a question of salt production. But what I say is that all trade in salt carried on by STC is only with the Bangladesh Government. May I know from the hon. Minister whether he reviews this policy because in Bangaladesh the private trade is flourishing and because the export and import of that country is through the private trade only. Our trade is suffering because we are carrying on our trade in regard to certain items only through the STC. Do you propose to reconsider this proposal of carrying on the entire trade through STC or through private parties?

SHRI MOHAN DHARIA: So far as salt is concerned, it is both through STC and also through private traders. It so happened that until 2-9-1977 an export of about 2.36 lakhs tonnes had taken place entirely by private exporters and the outstanding contracts involved amounted to 3.73 lakhs of tonnes. Here, my hon. freind wants that the whole thing should be canalised. It all depends from item to item. The decisions are taken having regard to the interests of the country as such and if at all we feel that in the interests of the country a particular item should be canalised, we shall not hesitate in canalising that.

श्री राम कवार बेरवा : अध्यक्ष महोदय, बंगला देश के साथ जो नमक के मामले मे समझौता हुआ था, उसकी पूर्ति भारत सरकार नहीं कर सकी है क्योंकि उत्पादन कम हुआ है । मेरे निर्वाचन क्षेत्र में सांभर झील है और उसमें काफ़ी मात्रा में नमक मिलता था लेकिन अब वहां पर तकरीबन तीन, चार हजार मजदूर बेकार हो गये हैं । जनता सरकार ने 10 साल में सभी को रोजगार देने की बात अपने घोषणा पत्र में कही है और बार-बार इस हाउस में भी इस बात को कहा है । कुछ कठिनाइयों की वजह से नमक का उत्पादन बिल्कुल समाप्त हो गया है । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या उन्होंने उद्योग मंत्रालय से इस बारे में कोई सलाह मशविरा किया है और अगर किया है तो उसके क्या परिणाम निकले हैं और उसमें क्या प्रगति हुई है ।

श्री मोहन धारिया : उद्योग मंत्रालय से हमारा हर समय सम्बन्ध रहता है और एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट के बारे मे भी उनसे बातचीत करते हैं । नमक का उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए, इसके लिए भी उद्योग मंत्रालय काफी प्रयत्न कर रहा है ।

Basis on which Hotels are Star-Categorised

*247 SHRI MANORANJAN BHAKTA: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) the basis on which hotels are star-categorised at present;

(b) the number and names of hotels of different star-categories in the country; and

(c) whether Government propose to change the present criteria of classification of hotels into different star-categories and if so full details thereof and the action taken so far?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) क्योंकि होटलों के वर्गीकरण के लिए जिन मानदण्डों का अनुसरण चार वर्ष पहले तक किया जा रहा था, वह अब पुराने पड़ चुके हैं, इसलिये इस समय उनका पुनरीक्षण किया जा रहा है ।

(ख) इस समय पर्यटन विभाग की अनुमोदित सूची पर 280 होटल हैं जिनमें से 152 होटलों का विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकरण किया जा चुका है। वर्गीकृत होटलों (152) की श्रेणी तथा नामों को दिखाने वाला एक विवरण सभा पटल पर रखा है। [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिये संख्या एल० टी०—243/77]

(ग) होटलों का वर्गीकरण वर्तमान "स्टार प्रणाली" पर ही करते रहने का प्रस्ताव है। परन्तु, विभिन्न स्टार वर्गों के मानदण्डों में संशोधन करने की जरूरत है। मानदण्डों का पुनरीक्षण होटल उद्योग के परामर्श से किया जा रहा है।

SHRI MANORANJAN BHAKTA: There is acute shortage of hotel accommodation for people from the low income group, throughout the country. We are always having 5-Star, and 3-Star and other Star-based hotels. What does the Government propose to do for the accommodation of low income groups at different places?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : कम आय वाले यात्रियों के लिए सस्ते आवास की व्यवस्था करने के बारे में सरकार सक्रिय विचार कर रही है। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, हमारी योजना है कि देश के चार मैट्रोपालिटन सिटीज—दिल्ली, बम्बई, मद्रास और कलकत्ता—में सस्ता आवास उपलब्ध करने की दृष्टि से जनता होटल बनाने का काम शुरू किया जाये। इस दिशा में कितनी प्रगति हो पायेगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि प्लानिंग कमीशन से कितनी धनराशि उपलब्ध होती है। लेकिन दिल्ली में पायलट प्राजैक्ट के रूप में 1250 कमरों के एक जनता होटल का कार्य शुरू करने के बारे में सक्रिय विचार चल रहा है। उम्मीद है कि हम यह काम बहुत जल्दी शुरू करेंगे।

SHRI MANORANJAN BHAKTA: The Minister has specifically stated that he is peaking about having the Janata hotels in big cities. My constituency is Andaman and Nicobar Islands; and there are other remote areas; where inland tourists used to go. In some cases, tourists even from other countries are coming. What is the proposal before the Government for accommodating people from low income groups in such outlying areas?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : केन्द्रीय सेक्टर में हम जो प्रयास कर रहे हैं, मैंने उसका जिक्र किया है। जहां तक विभिन्न राज्यों में सस्ते होटल बनाने का प्रश्न है, हमने राज्य सरकारों को लिखा है कि वे इस तरह के सस्ते होटल बनाने के लिए पग उठायें। केन्द्रीय सरकार की तरफ से उन्हें सहायता देने पर भी विचार किया जायेगा। यह भी प्रयत्न किया जायेगा कि उन्हें वित्तीय संस्थाओं से भी ऋण प्राप्त हो सकें। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि अगर निजी सैक्टर के लोग भी सस्ते आवास के होटल बनाने के लिए आगे आते हैं, तो प्राथमिकता के आधार पर उन्हें सहायता तथा सुविधायें देने पर विचार किया जायेगा।

SHRI MANORANJAN BHAKTA: The Minister has spoken about State governments; but what about the Union Territories? They are directly under the Central Government. What does the Central Government propose to do about them?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : सस्ता आवास बनाने का विचार इस सरकार के आने के बाद शुरू हुआ है। (व्यवधान) माननीय सदस्य शायद मुझे टोकना चाहते हैं। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि पहले यह काम बहुत व्यापक पैमाने पर शुरू नहीं हुआ था। टूरिस्ट लाज बनाने के बारे में कुछ काम हुआ है। कुछ यूथ होस्टल भी बने थे और युवा पर्यटकों और सामान्य लोगों को डारमिटिरीज में

सस्ता आवास देने की कोशिश हुई है। लेकिन इस क्षेत्र में पर्याप्त कार्य नहीं हुआ है। अब हम लोग व्यापक पैमाने पर सस्ता आवास उपलब्ध करने का प्रयास कर रहे हैं।

जहां तक यूनियन टैरीटरीज का सम्बन्ध है, यह तो वित्तीय स्थिति पर निर्भर करता है कि हम वहां कितनी व्यवस्था कर सकते हैं। लेकिन हमारी कोशिश यह है कि सम्पन्न लोगों के लिए जो व्यवस्था हुई है, चूंकि कम एफ्लुएन्ट क्लास के लोग उनमें ज्यादा हैं, इसलिए उनके लिए सस्ते आवास की और अधिक व्यवस्था करने की हमारी कोशिश है।

श्री रामजी लाल सुमन : मंत्री महोदय ने चार महानगरों के बारे में सरकार की नीति को स्पष्ट किया है। आगरा देश के हिसाब से ही नहीं विश्व के हिसाब से भी एक पर्यटन स्थल है और दुनिया भर के लोग वहां जाते हैं और जो ताजमहल को देखने जाता है वह फतहपुर सीकरी भी देखने अवश्य जाता है। इस तरह के जो ऐतिहासिक स्थल हैं वहां पर कोई आवास व्यवस्था नहीं है। क्या आप वहां पर सस्ते होटलों की व्यवस्था करेंगे ? यदि सरकार के पास इतने साधन नहीं है कि वह स्वयं कर सके तो क्या जनता को जो वहां होटल बनवाना चाहती है सरकार सस्ती जमीन उपलब्ध कराएगी और साथ ही साथ सरकारी वित्तीय संस्थाओं से कम ब्याज पर ऋण दिलाने की व्यवस्था करेगी ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : निजी उद्योग में से जो लोग इस काम के लिए आगे आएंगे उसके लिए जो मदद हम कर सकते हैं सरकारी संस्थाओं से ऋण आदि दिलाने की अवश्य की जाएगी। इस समय किसी स्थान में होटल बनाने के बारे में मैं कोई निश्चित आश्वासन नहीं दे सकता हूं। इतना जरूर कह सकता हूं कि प्राथमिकता के आधार पर जो भी आर्थिक साधन उपलब्ध होंगे निश्चित रूप से हमारी कोशिश होगी कि सस्ती आवास व्यवस्था हम करें।

श्री रामधारी शास्त्री : देवरिया जिले में कुशीनगर जो लार्ड बुद्ध का निर्वाण स्थल है वहां पर भारत के ही नहीं विश्व के बौद्ध आते है। वहां पर जो होटल है उसका किराया 35 रुपये प्रतिदिन है जो कि अशोका होटल के बराबर है। उस धर्मस्थल के महत्व को देखते हुए और इसको देखते हुए कि देश में ही नहीं दुनिया के विभिन्न देशों के लोग भी वहां बहुत आते हैं और 35 रुपये प्रतिदिन वे आवास के नहीं दे सकते हैं, सरकार सस्ते आवास की वहां पर जल्दी व्यवस्था करने की कृपा करेगी ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : मैंने निवेदन किया है कि जहां तक बौद्ध पर्यटन केन्द्रों का सम्बन्ध है सरकार निश्चित रूप से उनके बारे में विशेष ध्यान देगी। उनके लिए मास्टर प्लान बना रहे है। कोशिश यह है कि जितनी जल्दी हो सके हम वहां सस्ते आवास की व्यवस्था कर दें।

SHRI K. RAMAMURTHY: This question relates to star hotels. The Janata Government have announced a policy decision that they are going to implement prohibition throughout the country in four or five years. But, at the same time, I find that inawarding stars to a hotel, the attachment of bar is given extra marks. Will the Government come forward with a policy to scrap this condition of awarding extra marks to those hotels attached with bars?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : यह तो सरकार की जो मद्य निषेध नीति बन रही है उस पर निर्भर करता है जो भी नीति होगी उसके मुताबिक हमें काम करना पड़ेगा।

SHRI K. RAMAMURTHY: If the Government want to introuce prohibition, how is it that they themselves impose a condition of awarding stars on the basis of the bar attached to the hostels?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : किसी होटल में मयखाने के शामिल कर देने पर कोई स्पेशल क्लासिफिकेशन नहीं दिया जाता है ।

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN. This question is not exactly about hotels. I notice that an increasing number of school and college students come to see the capital of India, particularly during the session period or on other important occasions. I have come across many instances, when they had to stay on the platform of the Railway station because they had no other place to go. Will the Minister be pleased to make some arrangements, I would not call them dharamsalas, but some arrangement of that style, not one star or two star hotels but dormitaries where the students can stay for two or three days Will he make some such arrangements in the capital city of Delhi?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : मुझे बहुत खुशी हुई है कि माननीय सदस्य का सुझाव इस विषय में हमको मिला । निश्चित रूप से सरकार इस पर विचार कर रही है । यहां पर यूथ होस्टल्स है, यूथ होस्टल्स एसोसियेशन भी है और वहां पर बराबर युवा पर्यटकों के ठहरने का प्रबन्ध होता है । जो यूथ ग्रुप में भी आते हैं, तो मैंने बताया कि उनका भी टैरिफ 15 रुपये होगा । एक साथ अगर लड़के आते है, तो एक कमरे में उनको और सस्ती जगह मिले, इसकी भी व्यवस्था की जा सकती है ।

कैम्पिंग साइट्स भी यहां पर है, जिनका उपयोग टूरिस्ट्स के लिये किया जा सकता है । लेकिन जैसा मैंने निवेदन किया कि सरकार बराबर जोर दे रही है कि यूथ मवमेंट को ठीक ढंग से बढ़ाने के लिये आवास व्यवस्था की आवश्यकता है जिससे एक जगह से दूसरी जगह जाया जा सके । मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहता हूं कि यूथ मूवमेंट को बढ़ाने के लिए, यूथ लोगों के लिए सस्ते आवास की व्यवस्था जितनी जल्दी हो सकेगी हम करेंगे ।

SHRI RAGAVALU MOHANARANGAM: I come from one of the historical places. You have not allowed me to ask a question.

MR. SPEAKER: Every party has been given a chance. Your party has also been given.

SHRI RAGAVALU MOHANARANGAM: Even the size of the Member does not count!

MR. SPEAKER: That I know!

SHRI RAGAVALU MOHANARANGAM: My question will be very brief.

MR. SPEAKER: I have called the next question No further discussion

Memorandum from All India P & T and other Central Government Pensioners' Association

*248 SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether he has received a memorandum from the All India Posts and Telegraphs and other Central Government Pensioners' Association regarding the restoration of pension from 3/8th level to 4/8th level after full recovery of Death-cum-Retirement Gratuity amount paid in lieu of 1/8th reduction; and

(b) if so, the details thereof and Government's reaction thereto?